878
11/2/16
बिहार विधान मंडल पुस्तकालय
शोध/संदर्भ ग्रंथ

खण्ड : 2 संख्या : 2

# एकादश बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(द्वितीय सत्र)

(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

सत्यमेव जयते

मंगलवार, दिनांक : 30 मई 1995 ई०

**साठी फार्म की जमीन किसानों को वापस कराना।**

**श्री बीरबल शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, प० चम्पारण अन्तर्गत साठी फार्म की जमीन किसानों की थी, अंग्रेज नील की खेती करने चम्पारण आये और किसानों की जमीन लेकर पट्टा लिख दिया कि नील की खेती समाप्त होने पर किसानों को जमीन वापस कर दी जायेगी। नील की खेती समाप्त होने पर वह 400 एकड़ जमीन बेतिया राज में विलिन हो गई, तथा 1937 में पहली कांग्रेस की सरकार आने पर श्री रामरेखा शाही के हाथ बन्दोबस्त कर दी गई। किसानों का विद्रोह हुआ और 400 किसान जेल गये। फिर 1953 में बिहार विधान-सभा में साठी रेस्टोरेशन ऐक्ट पास हुआ और इसके खिलाफ श्री रामरेखा शाही सुप्रीम कोर्ट में चले गये। उच्च न्यायालय ने यह मन्तव्य दिया कि बारह हजार सात सौ एकड़ बेतिया राज की जमीन कांग्रेस पार्टी एवं उसके लगू-भगू के हाथ बन्दोवस्त की गई है। सभी जमीन वापसी के लिए कानून बनाया जाय। इस फार्म को 1964 में श्री शाही ने पांच लाख रुपये में चार सौ एकड़ जमीन बंगला, हाता कोठी सहित सीता जगदीया एवं उनके भाइयों के हाथ बेच दिया। इस जमीन पर व्यापक संघर्ष हुआ, शिवदास, ढोढा मियां शहीद हुए।

अत: सरकार से मांग करता हूं कि सरकार इस जमीन का अधिग्रहण कर साठी क्षेत्र के किसानों को वापस करे तथा सभी मुकदमा किसानों पर से वापस ले।

**श्री रघुनाथ झा :** इसका जबाव 2 तारीख को होगा।

**अध्यक्ष :** 2 तारीख को इसका जवाब आवेगा।

सर्वश्री उदित राय, मुनेश्वर चौधरी एवं अन्य दो सभासदों की ध्यानाकर्षण-सूचना तथा उस पर सरकार (राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग) की ओर से वक्तव्य

**अधिग्रहित भूमि उपलब्ध कराना एवं निर्माण में बरती जा रही उदासीनता**

**उदित राय :** अध्यक्ष महोदय, जय प्रकाश विश्व-विद्यालय छपरा के लिए सदर अंचल के अन्तर्गत बड़ा तेलया एवं रउजा (शिव नगरी) के भूमि अधिग्रहण करने हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वीकृति दी गई और इसके लिए 6 करोड़ 76 लाख रुपया जमीन के भुगतान के मद में जिला पदाधिकारी, छपरा को चार माह पूर्व दिया जा चुका है, परन्तु राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारी उक्त जमीन का अधिग्रहण नहीं करके इस मामला को उलझाना चाहते हैं तथा जे० पी० विश्वविद्यालय की प्रगति को बाधित करना चाहते हैं। इसके साथ शैक्षणिक व्यवस्था को सुचारू बनाने, सभी संकाय को खोलने और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में उदासीनता बरती जा रही है। फलतः लोक नायक के नाम पर चल रहा यह विश्वविद्यालय अपने अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पा रहा है।

अतः इस बिन्दु पर सदन में वक्तव्य देने हेतु हम सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं।

**श्री रघुनाथ झा :** 5 तारीख को इसका जबाव दिया जायगा।

**अध्यक्ष :** अच्छा ।

**श्री सुशील कुमार मोदी :** अध्यक्ष महोदय, लखीसराय में जो घटना घटी...

**( व्यवधान )**

## कार्य-स्थगन प्रस्ताव एवं उसकी अस्वीकृति

**अध्यक्ष :** आप जरा बैठिए, मोदी जी, जितनी घटना घटी है आप उन सबको संकलन करके रखीये, दो बजे से डिबेट होगा, उसमें खूब लम्बा भाषण दीजिएगा। अब उनको कहने दीजिए। अब उनको दो मिनट पढ़ने दीजिए।

**( व्यवधान )**

**अध्यक्ष :** आपका काम रोको प्रस्ताव नामंजूर किया गया । जो घटना घटी है उसको पढ़ दीजिए।